प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

प्रसार शिक्षा परिषद तृतीय बैठक विवरण

क्रमांकः प्र.शि.नि./प्र.शि.प./2020/324–59 दिनांकः–04.02.2020

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रसार शिक्षा परिषद की तृतीय बैठक दिनांक 27.01.2020 को प्रोफेसर डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें निम्न पदाधिकारियों ने भाग लिया–

1	डॉ. जी.एस. तिवारी, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी, विश्वविद्यालय, उदयपुर।	सदस्य
2	डॉ. आई.एन. गुप्ता, पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
3	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
4	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक (पी.एम. एण्ड ई.), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
5	डॉ. जे.एम. धाकड़, निदेशक शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक मानव संसाधन विकास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
7	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़।	सदस्य
8	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठता, कृषि महाविद्यालय, कोटा।	सदस्य
9	डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, उम्मेदगंज, कोटा।	सदस्य
10	डॉ. अशोक कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईआईएसडब्ल्यूसीआरसी, कोटा।	सदस्य
11	डॉ. वीरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
12	डॉ. बलदेव राम, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान), कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	सदस्य
13	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डेय सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (सिल्वीकल्चर एवं कृषि वानिकी), उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़।	सदस्य
14	डॉ. पी.एस. चौहान, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (एफ.बी.टी.आई.), उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़।	सदस्य
15	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता (बारां)	सदस्य
16	डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	सदस्य
17	डॉ. बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, हिण्डौन(करौली)	सदस्य
18	डॉ. हरीश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	सदस्य
19	डॉ. अर्जुन वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	सदस्य
20	डॉ. बी.एल. मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाईमाधोपुर	सदस्य
21	श्री सुधीर मान, मुख्य क्षेत्रीय प्रबन्धक, इफको, कोटा	सदस्य
22	श्री राजीव दायमा, डीडीएम, नाबार्ड, कोटा।	सदस्य
23	श्री मुकेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय प्रबन्धक, राष्ट्रीय बीज निगम, कोटा	सदस्य
24	श्री दिनेश पारेता, अधिशाषी अभियन्ता, जिला परिषद कोटा।	सदस्य
25	श्री अवधेश कुमार मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, एनएचएआरडीएफ, कोटा।	सदस्य

26	श्री एम.एल. मालव, अधिशाषी अभियन्ता, दाई मुख्य नहर सीएडी, कोटा	सदस्य
27	श्री गणपत लाल नागर, प्रगतिशील कृषक, गुलाबपुरा बारां	सदस्य
28	श्री पूनम चन्द पाटीदार, प्रगतिशील कृषक, दीत्याखेडी, झालावाड़	सदस्य
29	श्री जय प्रकाश गहलोत, प्रगतिशील कृषक, अर्जुनपुरा, कोटा	सदस्य
30	डॉ. एल. के दशोरा,एमेरिटस प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित सदस्य
31	डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक (कृषि), कोटा।	आमंत्रित सदस्य
32	श्री पी.के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक (उद्यान विभाग) कोटा।	आमंत्रित सदस्य
33	डॉ मुकेश गोयल, जनसम्पर्क अधिकारी एवं सह निदेशक, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित सदस्य
34	डॉ. के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। डॉ. के. एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया गया, तथा प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक के उद्देश्य के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया। तत्पश्चात् माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से डॉ. के. एम. गौतम द्वारा गत प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक (दिनांक 26.07.2018) की कार्यवाही विवरण अध्यक्ष महोदय की सदन द्वारा अनुमति से अनुमोदन करवाया गया।

द्वितीय परिषद की बैठक में विभिन्न सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों पर क्रियान्विति प्रतिवेदन सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति जताई। बैठक में प्रसार शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. के.एम. गौतम निदेशक प्रसार शिक्षा ने निदेशालय के साथ–साथ 6 कृषि विज्ञान केन्द्रों (कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, सवाईमाधोपुर एवं करौली) द्वारा अगस्त 2018 से दिसम्बर 2019 में की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आगामी वर्ष की योजना के लिए सभी सदस्यों से सुझाव आंमत्रित किये गये। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ठ अतिथियों द्वारा प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रकाशित कृषि पंचाग 2020 का विमोचन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र सिंह, झालावाड़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. हरीश वर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी.के. सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र सवाईमाधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बी.एल. मीणा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र करौली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. बच्चू सिंह द्वारा अपने–अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष की मुख्य उपलब्धियाँ एवं आगामी कार्य योजना के मुख्य बिन्दु के बारे में सभी सदस्यों को अवगत कराया गया।

संयुक्त निदेशक उद्यानिकी श्री पी.के. गुप्ता ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों की एक टीम गठित की जाए जो कि संरक्षित खेती के अन्तर्गत पॉली हाउस में निमेटोड्स एवं किसानों को आने वाली अन्य समस्याओं का निदान कर उसके नियंत्रण के प्रभावी उपाय की जानकारी समय पर दें।

संयुक्त निदेशक (कृषि) डॉ. रामावतार शर्मा ने बताया कि झालावाड़ में लगभग 14 हैक्टर में किसानों द्वारा पॉली हाउस लगाये गये हैं, परन्तु उनकी समय पर मरम्मत के लिए कोई संस्था/उद्यमी नहीं है। पूर्व में कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़ द्वारा स्नातक बेरोजगार युवाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण पॉली हाउस की मरम्मत एवं रखरखाव का दिया गया था तथा इन युवाओं ने ग्रीन उदय कन्स्ट्रक्शन हार्डवेयर गठित की है जो कि अच्छा कार्य कर रही है। अतः इसी प्रकार के व्यवसायिक प्रशिक्षण अन्य बेरोजगार युवाओं को भी कृषि विज्ञान केन्द्र/उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा आयोजित करवाये जायें ताकि युवाओं को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो तथा समय पर पॉली हाउस की मरम्मत एवं रखरखाव भी हो सके।

बैठक में कोटा के प्रगतिशील कृषक श्री जयप्रकाश गहलोत, झालावाड़ के श्री पूनम चन्द पाटीदार एवं बारां के श्री गणपत लाल नागर ने अपने अनुभव बताते हुए कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोग से अपनी सफलता की कहानी बयां की तथा उन्होनें बताया कि उन्नत कृषि पद्धति अपनाकर श्री पूनम चन्द पाटीदार द्वारा प्याज, लहसुन एवं संतरा, जयप्रकाश गहलोत द्वारा बून्द–बून्द सिंचाई द्वारा सब्जी उत्पादन एवं गणपत लाल नागर द्वारा सफेद मूसली के अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है जो कि अन्य किसानों के लिए अनुकरणीय कार्य बताया।

इफको के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री सुधीर मान ने सुझाव दिया कि केवीके कोटा पर तरल उर्वरक एनपीके 19:19:19 के अच्छे परिणाम मिले हैं, अतः इन तकनीकों को पैकेज में शामिल किया जावे। उन्होंने इफको द्वारा विकसित नेनो तकनीक उत्पादों का किसानों के खेतों पर प्रभाव जानने की आवश्यकता बताई। इन उत्पादों से यूरिया तथा दूसरे खादों की मात्रा को कम किया जा सकता है, अतः इस पर अनुसंधान आवश्यक है।

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह धाकड ने प्रदर्शनों के प्रभाव के अध्ययन करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा दी जा रही तकनीकों का कृषक समुदाय द्वारा ग्राह्यता एवं उन्नत किस्मों से कृषकों को हो रहे लाभ का विशेष प्रलेखन तैयार करने की आवश्यकता है। फसलों में नई किस्म का प्रसार का क्षेत्रफल व नवीन किस्म की पुरानी प्रचलित किस्मों की तुलना में उत्पादन में वृद्धि के बारे में सूचना का संकलन करना चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी, उदयपुर के पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ जी.एस. तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में प्रगति प्रतिवेदन पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को प्रगतिशील कृषकों की सफलता की कहानियाँ अन्य कृषकों तक विभिन्न संचार माध्यम से पहुँचायी जानी चाहिए। डॉ. तिवारी ने प्रत्येक केवीके पर बून्द–बून्द सिंचाई व स्प्रिकंलर सिंचाई पद्धति को बढ़ावा देने की आवश्यक बताई। साथ ही सभी केवीके उन्नत कृषि मशीनरी का प्रयोग करें एवं उन्नत कृषि मशीनरी पर भी प्रदर्शन आयोजित किये जावें। कृषक महिलाओं को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए हस्त चलित उपकरण उपलब्ध करवाये जाए जिससे थकान भी कम हो कार्यक्षमता एवं दक्षता अधिक हो। उन्होंने कस्टम हायरिंग सेन्टर को प्रोन्नत करने की आवश्यकता बताई, जिससे लघु एवं सीमान्त कृषकों को उपकरण किराये पर उपलब्ध हो सके एवं कृषि एवं उद्यानिकी के कार्य समय पर सम्पादित किये जा सकें। डॉ. तिवारी ने बताया कि क्षेत्र की आवश्यकता आधारित कौशल विकास सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किये जाये। इसके अतिरिक्त सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर क्रॉप केफेटेरिया के अन्तर्गत विभिन्न फसलों, सब्जियों आदि की मौसम अनुसार तकनीकी का प्रदर्शन किया जाये।

विशिष्ठ अतिथि डॉ. इन्द्र नारायण गुप्ता, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं व भूमिहीन कृषकों के लाभ के लिए अच्छे कार्य कर रहे हैं। किसानों की आय 2022 तक दुगुनी हो, इसके लिए प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक गाँव गोद लेकर समन्वित प्रयास किया जावे। कृषि विज्ञान केन्द्र करौली एवं सवाईमाधोपुर को भी विशेष आर्थिक सहयोग विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाकर अन्य चारों कृषि विज्ञान केन्द्रों के समकक्ष लाने के प्रयास किये जावे। कृषि शिक्षा दिवस (3 दिसम्बर) के दिन कृषि विद्यालय के छात्रों को कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर भ्रमण करवाकर तकनीकियों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डी.सी. जोशी ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को जिले का ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में विकसित करने की महत्वता व आवश्यकता जताई। कृषि विज्ञान केन्द्र पर सभी जीवन्त प्रदर्शन इकाईयों को तकनीकी मापदण्ड के अनुसार विकसित कर एक व्यवसाय मॉडल के रूप में संचालित किया जावे। जिससे कि किसान व युवा भी इस तरह की इकाईयाँ स्थापित कर आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। कुलपति महोदय ने सभी मुख्य वैज्ञानिक एवं अध्यक्षों से जिले की कृषि, उद्यानिकी एवं पशुओं की स्टेट्स रिपोर्ट व तकनीकी अन्तर का आकंलन तैयार करने के निर्देश दिये ताकि आवश्यकता पर आधारित कार्य योजना तैयार हो सके। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा तकनीकी हस्तानान्तरण के लिए किये गये कार्यों का कृषक समुदाय में हुए वांछित परिवर्तन का आंकलन (इम्पेक्ट स्टडी) करने की भी आवश्यकता जताई।

अन्य महत्वपूर्ण एजेण्डा बिन्दु–

(1) **निजी कृषि विश्वविद्यालय/निजी कृषि महाविद्यालय/राज्य के अन्य कृषि विश्वविद्यालय के सम्बन्ध महाविद्यालय/कृषि महाविद्यालय के सम्बन्ध महाविद्यालय के छात्रों से ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के लिए शुल्क का निर्धारण।**

वर्तमान में कृषि विज्ञान केन्द्रों की आयोजित समीक्षा बैठक दिनांक 10.12.2018 को आयोजित में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में लिये गये निर्णय अनुसार ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के लिए निजी कृषि विश्वविद्यालय/निजी कृषि महाविद्यालय/राज्य के अन्य कृषि विश्वविद्यालय के सम्बन्ध महाविद्यालय छात्रों से 3000 रूपये प्रतिमाह प्रति छात्र शुल्क लेने का निर्णय लिया गया था। किन्तु कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सम्बन्ध महाविद्यालय के छात्रों से कोई शुल्क राशि नहीं ली जाती है। अतः कृषि विश्वविद्यालय कोटा के सम्बन्ध महाविद्यालय के छात्रों से भी शुल्क लेने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

निर्णय –

i. परिषद ने सर्वसम्मति से निजी कृषि विश्वविद्यालय/निजी कृषि महाविद्यालय के छात्रों से 5000 रूपये प्रतिमाह प्रति छात्र शुल्क लेने का निर्णय लिया गया।
ii. राज्य के अन्य कृषि विश्वविद्यालय के सम्बन्ध कृषि महाविद्यालयों के छात्रों से 3000 रूपये प्रतिमाह प्रति छात्र शुल्क लेने का निर्णय लिया।
iii. कृषि विश्वविद्यालय कोटा से सम्बन्ध कृषि महाविद्यालयों के छात्रों से कोई शुल्क नहीं लेने का निर्णय लिया गया।
iv. प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र पर 15–20 छात्रों का दल इस कार्यक्रम के अन्तर्गत लिया जायेगा।

क्रियान्विति– समस्त वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष

(2) कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार के किराये का निर्धारण बाबत।

उपरोक्त सभागार को विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण, काफ्रेन्स, वर्कशॉप व अन्य कार्यो के लिए उपयोग में लेने के लिए मांग की जाती है। विश्वविद्यालय द्वारा बिजली, सफाई व रखरखाव के लिए इस पर व्यय किया जाता है। अतः सभागार के किराये का निर्धारण करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

निर्णय –

i. परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि एन.जी.ओ. व अन्य निजी संस्थाओं से सभागार का किराया 10000 रूपये प्रतिदिन लिया जाये।
ii. लाईन डिपार्टमेन्ट (उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन) एवं अन्य सरकारी विभागों के द्वारा आयोजत कार्यक्रम में यदि सभागार के किराये का बजट प्रावधान है तो किराया लिया जाए। परन्तु बजट प्रावधान नहीं होने अथवा कृषि विश्वविद्यालय एवं विभागों के संयुक्त कार्यक्रम के लिए हॉल का किराया मुक्त रहेगा।

क्रियान्विति– निदेशक प्रसार शिक्षा

(3–अ) अभिनव कृषि पत्रिका के प्रकाशन के लिए सम्पादक मण्डल का गठन।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा त्रैमासिक अभिनव कृषि पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। प्रकाशन की गुणवत्ता सुधार के लिए सम्पादक मण्डल गठन करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

परिषद ने निर्णय लिया कि सम्पादक मण्डल का गठन किया जाये जिसमें निम्न सदस्य सम्मिलित किये जाने का निर्णय लिया गया।

डॉ. के.एम. गौतम, निदेशक प्रसार शिक्षा, प्रधान सम्पादक

सम्पादक मण्डल

i. डॉ. ममता तिवारी, निदेशक पीएमएण्ड ई
ii. डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान
iii. डॉ. आई.बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड
iv. डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय कोटा।
v. डॉ. मुकेश गोयल, सह निदेशक, प्रसार शिक्षा

उपरोक्त के अलावा परिषद ने अन्य विषयों के वैज्ञानिकों को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया। जो निम्न प्रकार है–

i. उद्यानिकी– डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता(बारां)
ii. पशु पालन – डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा
iii. कृषि– शस्य विज्ञान – डॉ. के.एम. शर्मा, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा
पौध संरक्षण – डॉ. डी.एल. यादव, कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा
मृदा विज्ञान – डॉ. सेवाराम रूण्डला, कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़

क्रियान्विति– निदेशक प्रसार शिक्षा

(3–ब) अभिनव कृषि पत्रिका में विज्ञापन की दरों का अनुमोदन –

अभिनव कृषि पत्रिका के प्रकाशन के लिए विज्ञापन के माध्यम से राशि प्राप्त करने के लिए निम्न दरें परिषद के समक्ष प्रस्तुत की गई–

i.	अन्तिम सम्पूर्ण पृष्ठ (रंगीन)	रू. 10000/–
ii.	प्रथम एवं अन्तिम पृष्ठ के पीछे (रंगीन)	रू. 6000/–
iii.	अन्तिम आधा पृष्ठ (रंगीन)	रू. 5000/–

iv. प्रथम एवं अन्तिम पृष्ठ के पीछे आधा पृष्ठ (रंगीन) रू. 3000/–

v. अन्दर का सम्पूर्ण पृष्ठ (श्याम–श्वेत) रू. 4000/–

vi. अन्दर का आधा पृष्ठ (श्याम–श्वेत) रू. 2000/–

यदि विज्ञापन वर्ष के सभी चार अंकों के लिए दिया जाता है तो उपरोक्त दरों में 25 प्रतिशत कमी की जायेगी।

क्रियान्विति– निदेशक प्रसार शिक्षा

(3) स अभिनव कृषि पत्रिका के लिए सदस्यता शुल्क का अनुमोदन

अभिनव कृषि पत्रिका के लिए निम्न सदस्यता शुल्क का प्रस्ताव परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

i. प्रति अंक रू. 30/–

ii. वार्षिक (चार अंक) रू. 100/–

iii. आजीवन सदस्य (15 वर्ष) रू. 1000/–

परिषद ने उपरोक्त दरों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया तथा विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कर्मचारियों को इसका आजीवन सदस्य बनाने का भी निर्णय लिया गया।

क्रियान्विति– निदेशक प्रसार शिक्षा

(4) रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता डिप्लोमा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में प्रारम्भ करने हेतु

अन्य कृषि विश्वविद्यालयों की तरह इस विश्वविद्यालय में भी तीन रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता पाठ्यक्रम क्रमशः उद्यानिकी की संरक्षित खेती, जैविक खेती एवं जल प्रबन्धन प्रारम्भ करने के लिए प्रस्ताव परिषद के समक्ष प्रस्तुत किये।

परिषद के सदस्यों ने निर्णय लिया कि उद्यानिकी की संरक्षित खेती एवं जैविक खेती के डिप्लोमा प्रमाण पत्र के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया जावे एवं प्रत्येक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में तीन क्रेडिट आवर के तीन कोर्स का समावेश किया जाये। जल प्रबन्धन डिप्लोमा पाठ्यक्रम के स्थान पर पौधशाला प्रबन्धन एवं भूपरिदृश्य का डिप्लोमा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाये। उपरोक्त तीनों डिप्लोमा प्रमाण पत्र का विस्तृत पाठ्यक्रम, समयावधि एवं वित्तीय सहायता, प्रवेश शुल्क एवं योग्यता का निर्धारण करके आगामी अकादमी परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करें।

क्रियान्विति– अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, कोटा

(5) जैविक खेती की जीवन्त प्रदर्शन इकाई की स्थापना

परम्परागत कृषि विकास योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों को 20 हैक्टर क्षेत्र में जैविक खेती के समूह प्रदर्शन लगाने का लक्ष्य दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्रों की सलाहकार समिति में निर्णय लिया गया था कि सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर जैविक खेती की जीवन्त प्रदर्शन इकाई की स्थापना की जाये। ताकि फसलों/सब्जियों/फलों की जैविक खेती के बारे में सम्पूर्ण जानकारी किसानों को दी जा सके।

निर्णय – सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

क्रियान्विति– वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र

(6) कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र में शैक्षणिक म्यूजियम बनाने के लिए समिति गठित करने बाबत्।

कृषि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक म्यूजियम विकसित करने के लिए निम्न सदस्यों की कमेटी गठित करने का प्रस्ताव परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया।

i. डॉ. के.एम. गौतम निदेशक प्रसार शिक्षा
ii. डॉ. ममता तिवारी निदेशक पी.एम.एण्ड ई
iii. डॉ. प्रताप सिंह निदेशक अनुसंधान
iv. डॉ. आई.बी. मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड
v. डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय कोटा।
vi. डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान।
vii. डॉ. मुकेश गोयल, सह निदेशक, प्रसार शिक्षा सदस्य सचिव

निर्णय – सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
क्रियान्विति– सह निदेशक प्रसार शिक्षा

(7) टेबल एजेण्डा
कृषि विश्वविद्यालय एवं विभिन्न इकाईयों की डोक्यूमेन्ट्री बनाने हेतु कमेटी गठित करने बाबत्।

कृषि विश्वविद्यालय एवं इसकी विभिन्न इकाईयों की अभी तक कोई डोक्यूमेन्ट्री नहीं बनी है तथा एस.ओ. सी. की बैठक में डोक्यूमेन्ट्री बनाने का निर्णय लिया गया था। अतः इसको बनाना आवश्यक है। उपरोक्त कार्य के लिए निम्न कमेटी का प्रस्ताव परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया।

i. डॉ. एल.के. दशोरा, एमेरिटस प्रोफेसर, समन्वयक
ii. डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान
iii. डॉ. मुकेश गोयल, सह निदेशक, प्रसार शिक्षा सदस्य सचिव

निर्णय – सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।
क्रियान्विति– सह निदेशक प्रसार शिक्षा

बैठक के अन्त में डॉ. मुकेश गोयल, सह निदेशक प्रसार शिक्षा ने परिषद के सभी सदस्यों का बैठक में उपस्थित होने एवं उनके दिये गये सुझाव के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

निदेशक प्रसार शिक्षा एवं सदस्य सचिव

प्रतिलिपिः–

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।
2. सभी सदस्य।
3. रक्षित पत्रावली।

निदेशक प्रसार शिक्षा एवं सदस्य सचिव